बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-488
27/12/2019

जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत बक्सर जिले में मुख्यमंत्री का जागरुकता सम्मेलन, 661 करोड़ की 242 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना, 27 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड के उनवांस ग्राम पंचायत सरकार भवन के समीप जल–जीवन–हरियाली यात्रा अंतर्गत जागरूकता सम्मेलन में 661 करोड़ 60 लाख की लागत से कई विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से किया। इसमें 123 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से 120 योजनाओं का उद्घाटन एवं 327 रुपए करोड़ की लागत से 122 योजनाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने ठंड के बावजूद जल–जीवन–हरियाली जागरुकता सम्मेलन में आप सबकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए आचार्य शिवपूजन सहाय जी की इस धरती के चयन के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद देता हूं। आचार्य शिवपूजन सहाय जी की इस धरती पर मुझे जागरुकता सम्मेलन में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आचार्य शिवपूजन सहाय एक लेखक, साहित्यकार और पत्रकार थे। उन्होंने हिंदी भाषा पर जो काम किया है उसे आने वाली पीढ़ी याद रखेगी। हम लोगों ने भी अपने युवाकाल में उनकी किताबों को पढ़ा ह। आज यहां उनकी मूर्ति का अनावरण किया गया है। उनके साहित्य, भाषा और समाज के विभिन्न क्षेत्रो में किए गए काम के योगदान को देखते हुए और भी कुछ विशेष करने के लिए यहां काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां के हमारे पुराने साथी स्व0 राजनारायण पांडेय को भी मैं नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में हमने न्याय यात्रा की थी उसी दौरान कहा था कि हम न्याय के साथ विकास करेंगे। उसी प्रतिबद्धता के साथ विकास के कार्य में लगे हैं। हर इलाके और हर तबके का विकास किया जा रहा है। किसी की उपेक्षा नहीं की गई है। सबों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। कुछ वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अति पिछड़ा/अल्पसंख्यक/महिलाओं के लिए कई योजनाएँ चलायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, पुलियां का निर्माण सहित सभी क्षेत्रों में विकास कार्य किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं में जागरुकता एवं एकता लाने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। विश्व बैंक से कर्ज लेकर इसे पहले राज्य के 06 जिलों के 44 प्रखंडों में लागू किया गया और बाद में नई पद्धति के साथ पूरे राज्य में इसे जीविका के नाम से लागू किया गया। उस समय की केंद्र सरकार ने इसी पद्धति को अपनाकर आजीविका नाम से पूरे देश में लागू किया। अभो तक 9 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उससे 01 करोड़ से ज्यादा परिवारों को जोड़ा जा

चुका है। 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। महिलाओं को पुलिस में 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। सात निश्चय योजना के अंतर्गत सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। बच्चियों को 5 वें क्लास के बाद भी स्कूल जाने के लिए पोशाक योजना चलायी गई और बाद में साईकिल योजना चलायी गई। लड़कियों के साईकिल से स्कूल जाने के कारण पूरे समाज का वातावरण बदला। वर्ष 2008 में साईकिल योजना के पूर्व जहां 9 वें क्लास में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या 1 लाख 70 हजार थी, साईकिल योजना के बाद 9वें क्लास में अब लड़कियों की संख्या और लड़कां की संख्या बराबर हो गई है। उन्होंने कहा कि लोगों ने यहां कई समस्याएं रखी हैं, कुछ ने लिखित भी दिया है उन सब चीजों पर काम किया जाएगा। हम अपनी यात्रा के दौरान हो रहे कार्यों का जमीनी स्तर पर आकलन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है, पर्यावरण में बदलाव आ रहा है, जिसका असर बिहार पर में भी दिख रहा है। बिहार में मॉनसून के समयावधि में भी बदलाव आया है। पहले मॉनसून की शुरुआत 15 जून तक हो जाती थी लेकिन अब वह भी समय पर नहीं हो रहा है। जहां पहले औसत वर्षा 1200 से 1500 मिमी तक थी, जो पिछले 13 वर्षों में घटकर औसत वर्षापात 901 मिमी हो गया है। कभी असमय वर्षा, कभी अधिक वर्षापात, कभी सुखाड़ की स्थिति बनती है। पिछले वर्ष 534 में 280 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित किए गए। इसी वर्ष जुलाई माह में काफी वर्षा हुई। फिर अगले माह सूखाड़ की स्थिति बनी और बाद में सितंबर माह में अधिक वर्षापात से बाढ़ की स्थिति बनी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली के महत्व को हम सबको समझना होगा। जलवायु में हो रहे बदलाव, पर्यावरण परिवर्तन पर चर्चा के लिए 13 जुलाई को सभी दलों के विधायकों एवं विधान पार्षदों के साथ इस पर गहन मंथन कर जल–जीवन–हरियाली अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के महत्व को हम सबको समझना होगा। जीवन के एक तरफ जल है तो एक तरफ हरियाली है। जल और हरियाली है तभी जीवन बचेगा। जल और हरियाली पर ही जीवन निर्भर है। जल और हरियाली में कमी आएगी तो जीवन नष्ट हो जाएगा चाहे वह जीवन पशु, पक्षी, जीव जंतु का या मनुष्य का ही क्यों न हो। जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए हम यात्रा पर निकले हैं। लोगों में जागरुकता लाने के लिए सम्मेलन कर रह हैं। लोगों से संवाद कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए भू–जल स्तर में वृद्धि करनी होगी और हरियाली में भी बढ़ोतरी करनी होगी। इसके लिए हम सबको मिल जुलकर काम करना होगा। जल–जीवन–हरियाली अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जोवन–हरियाली अभियान में 11 अवयव शामिल किए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और अतिक्रमण मुक्त कराकर जीर्णोद्धार भी कराया जाएगा। सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार, चापाकल को भी दुरुस्त रखा जाएगा। सार्वजनिक कुआं एवं चापाकलों के पास सोख्ता का निर्माण कराया जाएगा। सभी सरकारी भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिग के माध्यम से जल संचयन कर जल को भूमि के नीचे पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत रहा। वर्ष 2012 में हरियाली मिशन की स्थापना की गई और 19 करोड़

पौधे लगाए गए और राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 15 प्रतिशत पहुंच गया है। अगले तीन वर्षों में 8 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मौसम के बदलाव के अनुकूल फसल चक्र अपनाए जाने की जरुरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल अवशेष को जलाने की जरुरत नही है। फसल अवशेष जलाने से खेत भी बेकार हो जाते हैं और पर्यावरण पर भी संकट आता है। फसल अवशेष को चारे के रुप में उपयोग करने की जरुरत है। हमलोग ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि पुआल के चारे के उपयोग के साथ–साथ अन्य कार्य किए जा सकें। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन पर पटना में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कराया गया था। हमलोगों ने फसल अवशेष के उचित उपयोग के लिए कुछ यंत्रों पर 75 से 80 प्रतिशत सब्सिडी दे रहे हैं। फसल बुआई के लिए हैपी सीडर, जीरो टीलेज मशीन तो फसल अवशेष के छोटे–छोटे टुकड़े कर करने के लिए रोटरी मल्चर, फसलों को काटकर इकट्ठा करने के लिए स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर, फसल अवशेष की कटाई कर उसका बंडल बनाने के लिए रीपर कंबाइंडर मशीन शामिल हैं। कुछ लोगों के बहकावे में किसान नहीं आएं और फसल अवशेष को न जलाएं।

उन्होंने कहा कि हर घर बिजली पहुंचा दी गई है, किसानों को भी बिजली कनेक्शन अलग से कृषि फीडरों के माध्यम से दिया जा रहा है। किसानों को बिजली से पटवन करने में कम खर्च होंगे। जर्जर तारों को इसी माह के अंत तक बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को सौर ऊर्जा जो कि अक्षय ऊर्जा है उसके लिए काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर शराबबंदी की गई। पहले गाढ़ी कमायी का बड़ा हिस्सा शराब पीने में लोग गंवाते थे, परिवार में अशांति का माहौल रहता था। शराबबंदी के बाद समाज में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से बिहार में शराबबंदी का अध्ययन करने के लिए लोग आ रहे हैं। हाल ही में राजस्थान की सरकार ने एक टीम को भेजी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक महिला ने शराबबंदी के बाद आप बीती में बतायी थी कि पहले पति शराब पीकर आते थे, घर में झगड़ा लड़ाई करते थे और देखने में भी कुरुप लगते थे। लेकिन शराबबंदी के बाद अब शाम में सब्जी लेकर घर पर समय पर आते हैं और देखने में भी अच्छे लगते हैं। शराबबंदी अभियान के बेहतर कार्यान्वयन के लिए अब डीजीपी सहित बड़े पदाधिकारी प्रतिदिन इसकी आधे घंटे की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों को भी जागरुक करना होगा। सिर्फ पकड़ने से और सजा दिलाने से काम नहीं चलेगा बल्कि इसके लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाते रहना होगा।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। बाल विवाह से उत्पन्न बच्चे बौनेपन के शिकार होते हैं और महिलाएं कई बीमारियों की शिकार होती है। उन्होंने कहा कि 19 जनवरी 2020 को जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में और बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ एवं शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में मानव श्रृंखला में आप सब शामिल होकर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएं। 16 हजार किलोमीटर तक बनने वाली इस श्रृंखला में आप सब उस दिन 11.30 बजे से 12 बजे तक एक दूसरे का हाथ पकड़कर अपनी एकजुटता दिखाएं। उन्होंने कहा कि बिहार में चलायी जा रही कई अच्छी योजनाओं को केंद्र सरकार भी लागू करती हैं। हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली–नाली का निर्माण कराया जा रहा है जो अगले वर्ष अगस्त तक पूर्ण हो जायेगा। हर घर शौचालय का निर्माण भी लगभग पूर्ण है। अगर स्वच्छ पेयजल और खुले में शौच से मुक्ति मिल जाए तो 90 प्रतिशत बीमारियां से छुटकारा मिल

जाएगा। उन्होंने कहा कि हर तक बिजली पहुंचाना और हर घर तक नल जल की योजना को केंद्र सरकार भी लागू कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 नवंबर को दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति श्री बिल गेट्स पटना आए थे और उन्हें जल–जीवन–हरियाली अभियान की जानकारी दो गई थी। उन्होंने यहां से जाने के बाद क्लाईमेट चेंज के लिए बिहार में किए जा रहे कामों की तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए जो बिहार में काम किया जा रहा है उसकी देशभर में भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि जल की भी रक्षा करनी ह और हरियाली को बढ़ाने के लिए इस अभियान के तहत सबको मिल जुलकर पूरी प्रतिबद्धता से काम करना होगा।

मुख्यमंत्री को पौधा, प्रतीक चिन्ह, बड़ी माला, अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया गया। जल जीवन हरियाली अभियान पर आधारित एक संकलित पुस्तक का भी मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

कार्यक्रम क शुरुआत के पूर्व मुख्यमंत्री ने उनवांस पंचायत सरकार भवन के पास आचार्य शिवपूजन सहाय की प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड के उन्वांस ग्राम पंचायत में जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत जीर्णोद्धार कराए गए पोखर का सौंदर्यीकरण, पाथ–वे निर्माण, तालाब के चारो तरफ वृक्षारोपण का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। कृषि यांत्रिकी योजनानर्तगत कृषि बैंक की स्थापना हेतु लाभुकों को चेक भी दिया। स्ट्डेंट क्रेडिट कार्ड के लाभार्थियों को देय लाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए बैलून उड़ाया। मुख्यमंत्री ने पंचायत सरकार भवन परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

कार्यक्रम को पर्यटन मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, विधायक श्री ददन सिंह यादव, विधायक श्री संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पांडेय ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती दिलमणी मिश्रा, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष अंजुम आरा, जदयू नेता श्री रामबिहारी सिंह, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री संजय कुमार अग्रवाल, शाहाबाद रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश राठी, बुडको के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री उपेंद्र नाथ वर्मा, सहित अन्य गणमान्य लोग, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******